केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 313 गुरूवार 6 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

प्रख्यात को नीट में 99.16 परसेंटाइल अंक

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नीट परीक्षा परिणाम में सल्टौवा विकासखंड के मनवा गांव के प्रख्यात त्रिपाठी को 99.16 परसेंटाइल अंक मिले है। प्रख्यात के पिता रामगोपाल त्रिपाठी मुख्यमंत्री आवास लखनऊ की मेडिकल टीम में फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत हैं तथा माता मंजूलता त्रिपाठी गृहणी हैं। प्रख्यात के पिता रामगोपाल त्रिपाठी ने बताया कि प्रख्यात को 99.16 परसेंटाइल अंक नीट परीक्षा में मिले हैं। सामान्य ईडब्ल्यूएस कोटे में 2296 रैंक है। उन्होंने बताया कि प्रख्यात शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं हाईस्कूल और इंटर परीक्षा परिणाम में अच्छे अंक से सफलता पाई थी। नीट की तैयारी लखनऊ में ही हुई है। उन्होंने बताया कि यह प्रख्यात का नीट का पहला ही प्रयास था।

चित्रांश क्लब ने रोपे पौध, दिया संदेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति खतरे में है, प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर चित्रांश क्लब महिला विंग बस्ती की अध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव एवं कोषाध्यक्ष लक्ष्मी अरोड़ा जी के संयोजन में कंपनी बाग में वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की गई।इस दौरान क्लब के संरक्षक एवं बस्ती नगर पालिका परिषद प्रतिनिधि अंकुर वर्मा क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव,जी रहमान, अमृत पाल सनम, उदय शंकर, शंभू नाथ गुप्ता, एवं महिला विंग की संरक्षिका रेखा चित्रगुप्त, प्रतिमा श्रीवास्तव, शीला पाठक, संजू श्रीवास्तव, संज्ञा श्रीवास्तव, उर्मिला पाठक, सहित कंपनी बाग के आशीष भादवा, जय प्रकाश अरोड़ा, मिथिलेश मिन्नोत्रा ,साहब सचदेवा गुरुद्वारे के पाई जी, पीयूष सचदेवा, शैंकी, अनु, सहित तमाम शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पति के मौत मामले में पत्नी ने लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

विक्रमजोत (बस्ती)। छावनी थाना क्षेत्र के देवकली रानी गांव में बीते 28 मई को मनोरमा नदी के किनारे 40 वर्षीय मनीष पाण्डेय की तैरती हुई लाश स्थानीय ग्रामीणों ने देखी। मनीष अपने घर से दो दिन से लापता थे। सूचना पर पहुची छावनी पुलिस ने प्रारम्भिक छानबीन के बाद परिजनो की तहरीर पर शव को पीएम हेतु भेजा। बाद मे परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। 5 जून को सूरत से अपने ससुराल पहुची मृतक मनीष की पत्नी विनीता पाण्डेय ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह सूरत शहर मे पति के साथ रहती थी।उनके 10 साल का पुत्र व चार साल की एक पुत्री है। घर पर खेती किसानी का काम होने के कारण पति मनीष हत्या के 20 दिन पहले गाँव आये थे। यहाँ उनकी हत्या हो गयी लेकिन उन्हे किसी ने नही बताया। और उनके शव का भी अंतिम संस्कार कर दिया गया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक राजेश तिवारी ने बताया कि घटना में पहले से मुकदमा दर्ज है अब मृतक की पत्नी की शिकायत को भी ध्यान रखते हुए मामले की जाचंपडताल की जा रही है।

केन्द्र में तीसरी बार मोदी सरकार के लिये मंथन तेजः शुरू हुआ बैठकों का दौर

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद, नई दिल्ली में बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की पहली बैठक हुई। बैठक में जदयू, लोजपा, टीडीपी, जदएस और शिवसेना सहित अन्य दल शामिल हुए। बैठक में सरकार बनाने को लेकर मंथन हुआ। बैठक के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सांसद संजय कुमार झा ने बताया कि एनडीए की बैठक में नीतीश कुमार शामिल हुए। बैठक में सभी घटक दलों के नेताओं ने अपने विचार रखे और तीसरी बार एनडीए को जनादेश देने के लिए जनता को

धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा और जल्द ही सभी सांसदों की बैठक होगी।

बैठक से पहले, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए अपना समर्थन दिया।

शिवसेना को महाराष्ट्र में सात और एनसीपी को एक सीट पर जीत मिली है।तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) भाजपा के बाद दूसरा सबसे बड़ा घटक दल है। इसके वरिष्ठ नेता कनकमेडला रविंद्र कुमार पहले ही साफ कर चुके हैं कि आंध्र प्रदेश में भाजपा और जनसेना के साथ हमारा चुनाव पूर्व समझौता महज राजनीतिक अंकगणित की सौदेबाजी नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता का बंधन है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि हम जनादेश का सम्मान करते हैं।

रणनीति बनाने में जुटा इण्डिया गठबंधन

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक में बुधवार को कहा कि इस गठबंधन में उन सभी दलों का स्वागत है, जो संविधान की प्रस्तावना में अटूट आस्था रखते हैं और इसके आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक न्याय के उद्देश्यों को लेकर प्रतिबद्ध हैं। खरगे के इस बयान से प्रतीता होता है कि वे इंडिया गठबंधन में और दलों को जोड़ना चाहते हैं ताकि सरकार बनाने का दावा पेश किया जा सके।

उनका बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बुधवार को सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुन लिया। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभालने की दिशा में मोदी ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है। हालांकि विपक्ष भी पूरी कोशिश में जुटा है।

बैठक से जारी बयान में खरगे ने कहा कि लोकसभा चुनाव का जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ है, लेकिन वह इसे नकारने की हरसंभव कोशिश करेंगे। खरगे ने बैठक में अपने संबोधन में कहा, 'मैं 'इंडिया' गठबंधन के सभी साथियों का स्वागत करता हूं। हम एक साथ लड़े, तालमेल से लड़े और पूरी ताकत से लड़े। आप सबको बधाई।ß उन्होंने कहा, ' 18वीं लोकसभा चुनाव का जनमत सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ है।

चुनावी झटके के बाद सक्रिय हुये योगी, अधिकारियों की लगेगी क्लास

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी झटके के बाद अब एक्शन के मूड में हैं। उन्होंने कल सभी आला अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। इस बैठक में सभी अपर मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिवों को तलब किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विभिन्न विभागों के कामकाज की गहन समीक्षा करेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद सीएम योगी की यह पहली मीटिंग है।

लोकसभा चुनावों के परिणाम आने के बाद तुरंत अधिकारियों तलब करने से सियासी हलचल तेज हो गई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को उनके कार्यों का विस्तृत ब्यौरा साथ लाने का निर्देश दिया है। यह बैठक आगामी चुनावी दौरे के दौरान मुख्यमंत्री को जनता से मिले सीधे फीडबैक के बाद की जा रही

है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री इस बार अपने अधिकारियों के साथ एक अलग अंदाज में डील करने वाले हैं।

इस बैठक में प्रत्येक विभाग के कार्यों, उनकी प्रगति, और जनता के फीडबैक के आधार पर सुधार के सुझावों पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री अधिकारियों को उनके कार्यों के प्रति और अधिक जिम्मेदार बनाने के लिए सख्त कदम उठा सकते हैं।

2014 के बाद यह पहला चुनाव था जब भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरे पर मायूसी दिखाई दी है। 2019 में जहां 62 सीट जीतने वाली भाजपा इस बार 33 सीट पर ही सिमट गई। पार्टी का वोट बैंक भी 8 फीसदी कम हुआ है। फैजाबाद लोकसभा सीट भी भाजपा के हाथों से निकल गई है। सपा के अवधेश यादव ने 2 बार के सांसद और पूर्व मंत्री लल्लू सिंह को भारी मतों से हराया।

इण्डिया गठबंधन की जीत पर कांग्रेस नेताओं में खुशी की लहर, बांटी मिठाई

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । लोकसभा चुनाव में इण्डिया गठबंधन को मिली ऐतिहासिक जीत से कांग्रेस नेताओं में प्रसन्नता की लहर है। बुधवार को भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव और कांग्रेस के वरिष्ठ साधू शरन आर्य के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियों को साझा किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से साधू शरन आर्य ने कहा कि देश के मतदाताओं ने भारतीय जनता पार्टी के नीति, कार्यक्रम को पूरी तरह से नकार दिया है। यदि नरेन्द्र मोदी में थोड़ी भी नैतिकता हो तो उन्हें जनादेश का सम्मान करते हुये तीसरी बार सरकार नहीं बनाना चाहिये। कहा कि पूर्व उप प्रधान मंत्री स्वर्गीय जगजीवन राम की बेटी पूर्व लोकसभाध्यक्ष मीरा कुमार ने देश भर में सघन प्रचार किया जिसका परिणाम है कि दलित वर्ग कांग्रेस और इण्डिया गठबंधन के पक्ष में आया। कहा कि यह चुनाव मतदाताओं ने लड़ा। राहुल गांधी का पद यात्रा का देश भर में प्रभाव पड़ा। रायबरेली से राहुल गांधी, अमेठी से किशोरीलाल शर्मा, बस्ती से राम प्रसाद चौधरी की जीत ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के दिन अब लद गये। कांग्रेस की निर्णायक वापसी हो रही है।

इण्डिया गठबंधन को मिली ऐतिहासिक जीत पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों को साझा करने वालों में मुख्य रूप से अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर, भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, कांग्रेस नेता शिवाजी पासवान, महबूब आलम, मास्टर शिवशंकर, वारिस अली, छोटेलाल बुद्धा के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

डा. वी.के. वर्मा ने रोपे पौध, दिया पर्यावरण रक्षा का संदेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक, समाजसेवी एवं अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबन्धक डा वी.के. वर्मा ने बुधवार को पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय बस्ती के हर्वल पार्क एवं डॉ. वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बसुआपार, गौतम बुद्ध मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज, गौतम बुद्ध प्राथमिक एवं कन्या जूनियर हाई स्कूल, पटेल एसएमएच हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा आदि के परिसरों, खाली स्थानों पर आम, नीम, बरगद, पीपल आदि का पौध रोपा. कहा कि निरोगी जीवन के लिये पौधों का विशेष महत्व है। जो पौध लगाये गये है उनके सुरक्षा का भी पूरा इंतजाम किया गया है।

पौधरोपण में मुख्य रूप से प्रमुख अधीक्षक बी.के. सोनकर, रामेश्वर मिश्रा, डा. आलोक वर्मा, मुनिदेव, रामजीत चौधरी, प्रवीन त्रिपाठी, जगनरायन वर्मा, सत्यनरायन, धीरेन्द्र चौधरी, विनय मौर्या, सोहन लाल, इन्द्रावती आदि ने योगदान दिया।

नीट परीक्षा में अपराइज टयुटोरियल्स के रितेश को 99.2 परसेन्टाइल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । अपराइज टयुटोरियल्स के छात्र ने नीट परीक्षा में सफलता का कीर्तिमान बनाया। सफल छात्र को मिठाई खिलाकर निदेशक और शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया।

निदेशक विवेक वर्मा, अरूण कुमार और ऋषभ राज ने बताया कि नीट परीक्षा परिणामों में रितेश ने 659 एनटीए स्कोर 99.2 परसेन्टाइल अर्जित किया।

सफल छात्र को मिठाई खिलाकर खुशियों को साझा करने वालों में मुख्य रूप से अपराईज

—शिक्षकों ने साझा किया खुशिया

परिवार के प्रधानाचार्य सतिराम, अभिषेक मिश्रा, अनीता चौधरी, त्रिपुंजय पाण्डेय, अहमदुल्लाह सिद्दीकी, सिमरन वरनवाल, मनीष कुमार, विनीत सिंह, अब्दुल जफर, अंगद निषाद, मनीष कुमार माझी, श्यामजी, मिथिलेश कुमार, राजेश कुमार, विपिन, अजय कुमार, छोटू, आशीष आदि ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में डायट के स्टाफ और प्रशिक्षुओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु रैली निकाली गई तथा डायट परिसर में बड़ी संख्या में पौध भी लगाए गए। अपनी जीवन शैली में प्लास्टिक का प्रयोग न करना एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रशिक्षुओं को डायट प्राचार्य ने शपथ दिलाई। निबंध, कविता, पोस्टर, कला क्राफ्ट प्रतियोगिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण की अवहेलना के गंभीर दुष्परिणाम समूचे विश्व में परिलक्षित हो रहे हैं। इसलिए हम सभी को पौधरोपण करना

चाहिए एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प लेना चाहिए। विद्यार्थी एक संस्था में जितने वर्ष अध्ययन करते हैं उतने पौधे वहां लगाएं और देखभाल कर उसे जीवित भी रखें। प्रशिक्षुओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत प्रयास करने, पॉलिथीन का उपयोग न करने एवं कचरा कूड़ेदान में ही डालने के लिए प्रेरित किया। कहा कि सिर्फ सालाना आयोजन के उपलक्ष्य में ही नहीं बल्कि एक आदत के रूप में भी पर्यावरण चेतना हम सभी को अपनाने की जरूरत है।

जागरूकता रैली एवं पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रवक्ता वर्षा पटेल, सरिता, वंदना चौधरी, डॉ गोविंद, अमन सेन, कल्याण पाण्डेय, अलीउद्दीन खान, अजय प्रकाश मौर्य, डॉ रविनाथ, कुलदीप चौधरी, इमरान खान, शशिदर्शन त्रिपाठी एवं डीएलएड प्रशिक्षुओं ने अपना योगदान दिया।

खटाखट-खटाखट पैसा लेने कांग्रेस दफ्तर पहुंचीं महिलाएं

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने कई परिवारों को 'गारंटी कार्ड' वितरित किए थे। इसमें हर गरीब परिवार की महिला मुखिया को हर साल 1 लाख रुपये देने का वादा किया गया था। राहुल गांधी का खटाखट–खटाखट खाते में रुपए आने वाला बयान भी खूब चर्चा में रहा। इस खटाखट–खटाखट का नकल करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी पर निशाना भी साधा था। पीएम मोदी के निशाना साधने के बाद कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव भी मुखर हो गए। कई सपा नेताओं ने भी इस खटाखट–खटाखट से माहौल बनाने लगे। इसका असर भी रिजल्ट में दिखाई दिया। सपा–कांग्रेस के पक्ष में यूपी में जबरदस्त मतदान हुआ है। सपा को सीटों के मामले में सात गुना तो कांग्रेस की सीटों में छह गुना की बढ़ातरी हो गई।

केंद्र में कांग्रेस–सपा की सरकार तो नहीं बन रही लेकिन राहुल गांधी ने पांच जून की जो तारीख बताई थी उसे देखते हुए लखनऊ के

कांग्रेस दफ्तर पर भीड़ जरूर जुट गई है। बुधवार को काफी संख्या में महिलाएं लखनऊ स्थित कांग्रेस दफ्तर पर गारंटी कार्ड का फार्म जमा करने जुट गईं। कुछ महिलाएं फार्म जमा करने में सफल हो गईं तो ज्यादातर को मायूसी हाथ लगी है। महिलाओं ने दफ्तर पर मौजूद कर्मचारियों से गारंटी कार्ड की मांग की। कुछ महिलाओं ने दावा किया कि धन प्राप्त करने के विवरण के साथ अपने फॉर्म जमा करने के बाद उन्हें कांग्रेस कार्यालय से रसीदें मिली हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस ने 'घर–घर गारंटी' कार्यक्रम शुरू किया था। इसके तहत नेताओं को लगभग 80 मिलियन घरों तक पहुंचने और उन्हें इसकी 25 गारंटियों के बारे में जागरूक करने का काम सौंपा गया था। इन गारंटियों में महालक्ष्मी योजना भी शामिल थी। इसके तहत पार्टी ने वादा किया था कि गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी से संबंधित परिवारों की महिला मुखियाओं के खाते में सीधे 8,500 रुपये हर महीने जमा किए जाएंगे। यह योजना कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की गृह लक्ष्मी गारंटी योजना की तरह है। इसमें गरीब परिवारों की महिला मुखियाओं को 2,000 रुपये का भुगतान किया जाता है।

हाल ही में बेंगलुरु के जनरल पोस्ट ऑफिस में कई महिलाएं खाता खोलने के लिए दौड़ रही थीं, उन्हें उम्मीद थी कि अगर केंद्र में इंडिया गठबंधन सरकार सत्ता में आएगी तो उनके खातों में 8,500 रुपये हर महीने आएंगे। हालांकि अब चुनाव नतीजों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 292 सीटें जीतकर सरकार बनाने जा रही हैं। वहीं महिलाओं के दफ्तर पर जुटने और खाते में धन को लेकर कांग्रेस का कहना है कि पार्टी सत्ता में आएगी तो देगी। फॉर्म कार्यालय में रख लिया जाता है। यह कांग्रेस के न्याय पत्र में शामिल मुद्दा है।

इण्डिया गठबंधन की जीत पर कांग्रेस, कौमी तंजीम नेताओं ने साझा किया खुशियां

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । लोकसभा के चुनाव में इण्डिया गठबंधन को मिली ऐतिहासिक जीत, रायबरेली से राहुल गांधी, अमेठी से किशोरीलाल शर्मा के साथ ही बस्ती से राम प्रसाद चौधरी की जीत से इण्डिया गठबंधन के साथ ही कांग्रेस नेताओं में प्रसन्नता की लहर है। बुधवार को आल इण्डिया कौमी तंजीम के प्रदेश महासचिव अतीउल्ला सिद्दीकी, जिलाध्यक्ष डा. मारूफ अली के संयोजन में कचहरी परिसर के निकट मिठाई बांटकर खुशियों को साझा किया गया।

कौमी तंजीम के प्रदेश महासचिव अतीउल्ला सिद्दीकी ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि कौमी तंजीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री तारिक अनवर बिहार राज्य के कटिहार से सांसद चुने गये हैं। उन्होने कौमी तंजीम के माध्यम से देश भर में कौमी एकता का अलख जगाया।

इण्डिया गठबंधन को मिली ऐतिहासिक जीत पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों को साझा करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव सुबुही निकहत, नफीस अहमद, महबूब आलम, अवधेश सिंह, अनिल त्रिपाठी, साधूशरन आर्य, राम धीरज चौधरी, राकेश पाण्डेय 'गांधियन', अनिल भारती, मंजू पाण्डेय, गिरजेश पाल के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 6 जून 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

बिगड़ता पर्यावरण और दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह–तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इस बार पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है, जबकि अनेक देश युद्ध की विभीषिका के कहर से जूझ रही है और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता तापमान, असंतुलित पर्यावरण जैसी चिंताओं से रू–ब–रू है। पर्यावरण को समर्पित यह खास दिन हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से ही मनाया जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार इसकी घोषणा की थी। सऊदी अरब 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की मेजबानी करेगा, जिसका थीम होगी 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य।' यह थीम भूमि और इकोसिस्टम को बहाल करने, जैव विविधता की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास पर जोर देती है। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता।' मानवता भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। इस वर्ष का विषय का फोकस 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक प्रभाव अब साफतौर पर दिखने लगा है। देखा जा सकता है कि गर्मियां आग उगलने लगी हैं और सर्दियों में गर्मी का अहसास होने लगा है। असंतुलित पर्यावरण विनाश का कारण बन रहा है। आजकल जब उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्से रेकार्ड गर्मी से तप रहे हैं तब पश्चिम बंगाल और केरल में भयानक बारिश हो रही है। इस तरह एक साथ इतनी तेज बारिश से नुकसान होता है। बढ़ते शहरीकरण विकास योजनाओं और जिंदगी से जुड़े हर क्षेत्र में पानी की जरूरतें बढ़ रही है। दूसरी तरफ पानी के कुदरती स्रोत कम होते जा रहे हैं। हमें पानी के इस्तेमाल के तौर–तरीकों में तुरंत बदलाव करते हुए संयम बरतने की जरूरत है। खेती में पानी के इस्तेमाल, पानी को इकट्ठा करने और उन्हें भूगर्भीय स्रोतों तक पहुंचाने के तौर–तरीकों और पानी के आम इस्तेमाल को बदलना होगा। नई सरकार को इस पर ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि पानी की उपलब्धता के सारे समीकरण बदल गए हैं।

तापमान का 50 डिग्री पार करना जटिल एवं गंभीर पर्यावरणीय घटना है। फ्रिज, एसी, कूलर और कारों की बिक्री बढ़ने से बिजली की खपत बढेगी। यह स्थिति कोयले, पेट्रोल, डीजल के इस्तेमाल को बढ़ायेगी। ऐसे में लगातार ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही धरती और गर्म हो जाएगी। देश–दुनिया में गर्मी के नए रेकार्ड बनेंगे। इन दिनों कई शहरों का तापमान रेकार्ड तोड़ चुका है। इससे दिहाड़ी मजदूर, किसान और मेहनतकश लोगों को जूझना पड़ रहा है। वहीं ज्यादा बारिश वाले क्षेत्रों में पानी की कमी हो रही है तो सूखी जगहों पर बेतहाशा बारिश। इन घटनाओं की वजह को समझना होगा, उसे गंभीरता से लेना होगा। नई बनने वाली सरकार को पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देना होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कई समस्याएं मानव निर्मित भी है। माना कि बादल फटने, जंगलों में आग जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन अपेक्षाकृत नए माने जाने वाले हिमालय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में नए बांध और सड़क बनाए जाने से होने वाले नुकसान ज्यादा सामने आ रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन ऐसा मसला है जिसमें पर्यावरण से होने वाला खतरा किसी देश की सीमा या उसकी हैसियत नहीं देखता। सबको बराबर नुकसान होता है। इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने–अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना जरूरी है। कई बिंदुओं पर दुनिया पीछे जा रही हैं। दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से भी सारे समीकरण बदल गये हैं। पहले कोविड ने नुकसान पहुंचाया, उसके बाद रूस–युक्रेन युद्ध और इस्राइल–गाजा का मामला चल रहा है। युद्धों का पर्यावरण पर सबसे घातक असर पड़ता है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बनते हैं। पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़–पौधे, जानवर और अन्य जीव–जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक–दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की आज बड़ी आवश्यकता है, इस दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना केवल आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक बने, यह अपेक्षित है।

बदलते मौसम का ग्लेशियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सदियों से ग्लेशियर पिघलकर नदियों के रूप में लोगों को जीवन देते रहे हैं। लेकिन पिछले दो–तीन दशकों में पर्यावरण के बढ़ रहे दुष्परिणामों के कारण इनके पिघलने की गति में जो तेजी आई है, वह चिंताजनक है। ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के कई हिस्सों एवं महानगरों–नगरों के डूबने की आशंका तेजी से बढ़ चुकी है। इसका खुलासा अमरीकन नेशनल अकादमी ऑफ साइंस ने किया है। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। ग्लेशियर के तेजी से पिघलने के कारण महासागर में जलस्तर में ऐसी ही बढ़ोतरी होती रही तो महासागरों का बढ़ता हुआ क्षेत्रफल और जलस्तर एक दिन तटवर्ती स्थल, भागों और द्वीपों को जलमग्न कर देगा। ये स्थितियां भारत में हिमालय के ग्लेशियर के पिघलने से एक बड़े संकट का कारण बन रही है।

मोदी ब्रांड की छवि पर आघात

–नीरज कुमार दुबे–

भारत की राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला दशक काफी बड़े और कड़े फैसलों वाला रहा और उनके निर्णयों और नेतृत्व की धमक देश में ही नहीं पूरी दुनिया में रही जिसके चलते वह समूचे विश्व में सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में उभरे। लेकिन साल 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम उनके लिए आश्चर्य लेकर आये जब उनकी पार्टी भाजपा ने लोकसभा में अपना बहुमत खो दिया और सरकार बनाने के लिए दूसरे दलों पर निर्भर हो गयी। इन चुनाव परिणामों ने मोदी की अजेय रहने वाले नेता की छवि पर बहुत बड़ा असर डाला है जिसकी गूंज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई दे रही है। देखा जाये तो भारत में तो विपक्ष मोदी को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुँचाना चाहता ही था साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई ऐसी शक्तियां थीं जोकि मोदी की ग्लोबल लीडर के रूप में पुख्ता होती छवि को नुकसान पहुँचाना चाहती थीं। कह सकते हैं कि भारत में विपक्ष को और विदेशों में भारत विरोधी शक्तियों को कहीं ना कहीं अपने मिशन में थोड़ी–बहुत कामयाबी मिल गयी है। लेकिन यह भी सत्य और एक तथ्य है कि मोदी की कार्यशैली मक्खन पर नहीं अपितु पत्थर पर लकीर खींचने की है इसलिए वह तीसरे कार्यकाल में अपने कामकाज से विरोधियों को तगड़ा जवाब अवश्य ही देंगे।

चुनाव परिणाम यह भी दर्शाते हैं कि 'अबकी बार 400 पारश के नारे की ही नहीं बल्कि श्मोदी है तो मुमकिन हैश और श्जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगेश जैसे नारों की भी हवा पूरी तरह निकल गयी है। चुनाव प्रचार की बात हो या भाजपा के संकल्प पत्र में किये गये वादों की, सब कुछ श्मोदी की गारंटीश के ही इर्दगिर्द केंद्रित था इसलिए कहा जा सकता है कि मोदी ब्रांड की छवि पर सीधा असर पड़ा है। इसलिए अब समय आ गया है जब भाजपा को सिर्फ मोदी नाम के सहारे रहने की बजाय और भी पहलुओं पर काम करना पड़ेगा। जबसे मोदी केंद्र की राजनीति में आये हैं तबसे यही देखने को मिलता है कि पंचायत से लेकर संसद तक के चुनाव पर भाजपा सिर्फ मोदी नाम के सहारे ही रहती है। भाजपा ने चुनाव में श्मोदी की गारंटीश के अलावा श्विकास भी और विरासत भीश का नारा दिया था और करोड़ों लोगों के गरीबी रेखा से बाहर निकलने तथा भारत के सांस्कृतिक गौरव की बहाली की दिशा में उठाये गये कदमों का हवाला दिया था फिर भी वह स्पष्ट बहुमत से बहुत दूर रह गयी।

दूसरी ओर, भाजपा की सीट घटने से सिर्फ पार्टी के ही नेता हैरान और परेशान नहीं हैं बल्कि कई विदेशी नेता भी इस बात से हैरान हैं कि दिन–रात अपने देश के लिए काम करते रहने वाले प्रधानमंत्री को चुनावों में जनता ने क्यों सजा दे दी है। आप दुनिया भर की समाचार वेबसाइटों को देखेंगे तो सभी ने मोदी की सीटें घटने पर हैरानी जताई है। इन चुनाव परिणामों ने मोदी के विदेशों में रुतबे को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। दरअसल, जिस तरह का माहौल बनाया गया था उसमें ना तो देश में और ना ही दुनिया में किसी को इस तरह के चुनाव परिणामों की अपेक्षा थी। यही कारण है कि भाजपा तो अपने चुनावी प्रदर्शन पर मंथन कर ही रही है दुनिया के भी कई बड़े नेता भारत के चुनाव परिणामों को लेकर चर्चा कर रहे हैं और इसके कारणों की समीक्षा कर रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि साल 2024 में दुनिया के अधिकांश देशों में चुनाव होने हैं। कई छोटे–बड़े देशों में जून महीने की शुरुआत तक चुनाव हो चुके हैं और अमेरिका सहित कई अन्य देशों में चुनाव इस साल के अंत से पहले होने हैं। एक खास बात यह है कि अब तक जितने देशों में चुनाव हुए हैं उनमें से ज्यादातर में सरकारें वापस सत्ता में नहीं लौटी हैं लेकिन मोदी दस साल राज करने के बाद भी तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौट आये हैं। भले उनकी सीटों की संख्या कम हो गयी है लेकिन काम करने के लिए उनके पास स्पष्ट जनादेश है। मोदी ने जब 2014 में भारत सरकार की कमान संभाली थी तबसे दुनिया के तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्ष बदल चुके हैं लेकिन मोदी सत्ता में कायम हैं जिसका सीधा मतलब यही है कि जनता को उनके नेतृत्व और उनकी नीतियों में विश्वास है। यह विश्वास ही तो है कि विपक्ष के घोषणापत्र में की गयी फ्री की तमाम सौगातों की बजाय जनता ने मोदी के वादों को तवज्जो दी है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की आखिरी कैबिनेट बैठक की बात करें तो उसमें उन्होंने साफ कहा है कि हार–जीत राजनीति का हिस्सा है और नंबरगेम चलता रहता है। उन्होंने कहा है कि लेकिन इस सबका असर देश के विकास पर नहीं पड़ना चाहिए। वैसे देखा जाये तो लोकतंत्र में नंबरगेम ही मायने रखता है लेकिन मोदी के लिए इसका खास महत्व नहीं है। इस बात को हम गुजरात के उदाहरण से भी समझ सकते हैं। मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए भाजपा ने 2002 में 127 सीटों पर जीत हासिल की थी उसके बाद पार्टी अगले चुनाव में 117 सीटों पर और उसके बाद 116 सीटों पर पहुँच गयी थी। यही नहीं, मोदी के दिल्ली आने के बाद गुजरात में जो पहला विधानसभा चुनाव हुआ था उसमें भाजपा 99 सीटों पर आ गयी थी लेकिन 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने गुजरात में अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये थे। नंबरगेम ऊपर नीचे होता रहा लेकिन मोदी ने गुजरात के विकास को जरा भी प्रभावित नहीं होने दिया।

बहरहाल, देखा जाये तो लोकसभा चुनाव परिणाम से पहले तक माना जाता था कि देश में मोदी के बराबर का कोई नेता नहीं है लेकिन विपक्ष के तमाम नेताओं को जनता ने जो ताकत दी है उससे मोदी के आसपास अब कई नेता खड़े हो गये हैं। नई संसद में जो दलीय स्थिति बनी है और स्पष्ट बहुमत की बजाय गठबंधन सरकार की जो नौबत आई है उसको देखते हुए मोदी की चुनौतियां तो बढ़ गयी हैं लेकिन मोदी चुनौतियों को चुनौती देकर मंजिल पर समय से पहले पहुँचने वाले नेता हैं यह बात सबको याद रखनी चाहिए।

अमेठी चुनाव परिणाम– अहंकार के मुंह पर तमांचा

–निर्मल रानी–

यह स्मृति ईरानी ही थीं जिनकी सिफारिश पर 18 सितंबर 2023 उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने अमेठी के मुंशीगंज इलाके में स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था और वहां की ओपीडी और आपातकालीन सेवाएं बंद कर दी थीं। इस अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के लिये बहाना यह ढूँढा गया था कि यहाँ ऑपरेशन के बाद एक महिला मरीज की मौत हो गयी थी। पूरे देश के निजी व सरकारी अस्पतालों में ऐसी अनगिनत मौतें रोज होती रहती हैं। क्या किसी अस्पताल का लाइसेंस इस तरह के कारणों से निलंबित किया जाता है ? परन्तु चूँकि यह अस्पताल गाँधी परिवार द्वारा स्थापित व संचालित था और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाले संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा चलाया जाता था इसलिये द्वेष वश इसे बंद करवा दिया गया। परिणामस्वरूप अमेठी क्षेत्र की जनता इतनी परेशान हुई कि अस्पताल के बाहर तमाम स्थानीय लोगों ने धरना दिया व हड़ताल की।

18 वीं लोकसभा के लिये जनादेश 2024 आ चुका है। ताजा सूचनाओं के अनुसार नरेंद्र मोदी सरकार मंत्रिमंडल के जिन 52 केंद्रीय मंत्रियों ने लोकसभा चुनाव का चुनाव लड़ा था चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार उन 52 केंद्रीय मंत्रियों में से 20 मंत्री चुनाव हार गए हैं। पराजित मंत्रियों में एक नाम केंद्रीय महिला एवं बल विकास मंत्री एवं अमेठी से सांसद रही स्मृति ईरानी का भी है। पूरे देश की नजर अमेठी संसदीय क्षेत्र पर थी क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में इसी सीट से स्मृति ईरानी ने ही कांग्रेस नेता राहुल गाँधी को लगभग 55 हजार मतों से पराजित कर अपना कद ऊँचा किया था। और 2019 की इसी अमेठी विजय के साथ ही उनका बड़बोलापन व अहंकार चौथे आसमान पर पहुँच गया था। हालांकि बाद में राहुल वायनाड से सांसद बनकर पुनः संसद में पहुँच गये थे। परन्तु 2019 की अमेठी फतेह से उत्साहित स्मृति ईरानी स्वयं को राहुल गाँधी को न केवल बार बार चुनौती देते बल्कि कई बार उन्हें व उनके परिवार को भी अपने झूठ व अहंकार पूर्ण शब्दों से अपमानित करती सुनाई दीं।

2024 के लोकसभा चुनाव से पूर्व सभी की नजरें अमेठी सीट पर इसलिये भी टिकी थीं कि देखें इस बार कांग्रेस अमेठी से राहुल गाँधी को पुनः चुनाव मैदान में उतारकर 2019 जैसी चुनावी टक्कर को दोहराती है या नहीं। परन्तु इस बार राहुल गांधी ने जहां अमेठी के साथ लगती अपने परिवार की पुश्तैनी व पारंपरिक सीट रायबरेली से चुनाव लड़ा वहीँ अमेठी से स्मृति ईरानी के मुकाबले अपने 40 वर्षों के पारिवारिक विश्वासपात्र तथा अमेठी व रायबरेली में राजीव गाँधी से लेकर सोनिया गांधी तक के सहयोगी,कांग्रेस नेता किशोरी लाल शर्मा को चुनाव मैदान में उतारकर पूरे देश को हैरत में डाल दिया। चुनाव प्रचार के शुरूआती दौर में लोग यही समझ रहे थे कि कांग्रेस ने स्मृति ईरानी के सामने किशोरी लाल शर्मा को यही सोचकर मैदान में उतारा है कि यदि वे हार भी गये तो कम से कम कांग्रेस को वह अपमान नहीं सहना पड़ेगा जो राहुल को अमेठी से पुनः लड़वाने व संभवतः पुनः पराजित होने से सहना पड़ेगा। परन्तु अमेठी के मतदाताओं ने तो हर कीमत पर स्मृति ईरानी के गुरूर व घमंड को चकनाचूर करने के साथ ही 2019 में राहुल गाँधी को यहाँ से हराने के लिये पश्चात्ताप करने के लिये कमर कस ली थी।

यह स्मृति ईरानी ही थीं जिनकी सिफारिश पर 18 सितंबर 2023 उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने अमेठी के मुंशीगंज इलाके में स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था और वहां की ओपीडी और आपातकालीन सेवाएं बंद कर दी थीं। इस अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के लिये बहाना यह ढूँढा गया था कि यहाँ ऑपरेशन के बाद एक महिला मरीज की मौत हो गयी थी। पूरे देश के निजी व सरकारी अस्पतालों में ऐसी अनगिनत मौतें रोज होती रहती हैं। क्या किसी अस्पताल का लाइसेंस इस तरह के कारणों से निलंबित किया जाता है ? परन्तु चूँकि यह अस्पताल गाँधी परिवार द्वारा स्थापित व संचालित था और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाले संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा चलाया जाता था इसलिये द्वेष वश इसे बंद करवा दिया गया। परिणामस्वरूप अमेठी क्षेत्र की जनता इतनी परेशान हुई कि अस्पताल के बाहर तमाम स्थानीय लोगों ने धरना दिया व हड़ताल की। आखिरकार इलाहाबाद उच्च न्यायलय की लखनऊ पीठ द्वारा संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर रोक लगायी गयी। तब क्षेत्र की जनता को राहत मिली। स्मृति ईरानी के कहने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अमेठी जिला इकाई ने उसी समय यह मांग भी की थी कि संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट का प्रबंधन मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी को सौंप दिया जाए जो उस समय क्रमशः सुल्तानपुर और पीलीभीत से भाजपा सांसद थे। इस मांग से भी यह स्पष्ट था कि स्मृति ईरानी को इस अस्पताल में सोनिया गांधी की दखलअंदाजी सहन नहीं थी।

इसी तरह ईरानी अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के अन्तर्गत जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र में दैनिक भास्कर के एक पत्रकार द्वारा एक सवाल किये जाने पर भड़क गयीं और उस गरीब स्ट्रिंगर पत्रकार को नौकरी से निकलवा दिया। पूरे देश में उनकी इस धमकी का वीडिओ भी वायरल हुआ था। जहाँ तक महिला बल विकास मंत्री होने का सवाल है तो संसद में मणिपुर में महिलाओं को नग्न घुमाने की चर्चा करने मात्र से वे इतनी आग बबूला हुईं थीं कि उसकी तुलना कांग्रेस शासित राज्यों की घटनाओं से करते हुये गला फाड़ कर चीखने लगीं। यह भी पूरे देश ने देखा। देश का गौरव, विश्वस्तरीय पदक विजेता महिला पहलवानों का एक भाजपा सांसद द्वारा शारीरिक रूप से अपमान किये जाने के विषय पर भी उनके मुंह में मट्ठा जमा रहा। इसी 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान वे मध्य प्रदेश की एक सभा में यह झूठ बोलती सुनाई दीं कि–श्सोनिया मैडम (सोनिया गांधी) को नहीं पता कि राम भगवान कौन हैं। जब वह सत्ता में थीं तो कहती थीं कि राम का कोई अस्तित्व नहीं हैं। आज उनके बच्चे राहुल गांधी व प्रियंका गांधी राम भक्तों से वोट मांगने घूम रहे हैं।श जबकि सोनिया गांधी ने कभी भी ऐसे शब्द नहीं बोले।

स्मृति ईरानी ने इसी चुनाव अभियान में मध्य चेन्नई के भाजपा उम्मीदवार विनोज पी सेल्वम के समर्थन में चुनाव प्रचार के दौरान साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाते हुये कहा था कि ष्देश में ऐसे कई राज्य हैं जहां जय श्री राम बोलने पर इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने लोगों का कत्ल किया है। ऐसा पश्चिम बंगाल और केरल में हुआ है। आज ये हमारा सबसे बड़ा सौभाग्य है कि हम प्रभु श्रीराम के चरणों में अपना शीश झुकाए खड़े हैं। मंदिर का निर्माण हुआ और प्रभु श्रीराम की महिमा देखिए कि जिन्होंने उनके अस्तित्व को नकार दिया था, उन्हें भी भगवान राम ने अपने दर पर बुलाया। उनका अहंकार स्पष्ट था क्योंकि उन्होंने राम के नेतृत्व को भी अस्वीकार कर दिया था।ष इतनी नफरत फैलाने के बावजूद बीजेपी के विनोज पी सेल्वम को मात्र 1 लाख 69 हजार 159 वोट मिले जबकि डीएमके के उम्मीदवार ने 4 लाख 13 हजार 848 मत हासिल कर नफरत और झूठ की राजनीति करने वालों को पराजित किया।

यही स्मृति ईरानी ही हैं जिन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए बड़े ही अहंकार पूर्ण लहजे में कहा था कि ष्अगर मेरी आवाज राहुल गांधी तक पहुंच रही है तो मैं उनको बताना चाहूंगी कि उनके जैसे बहुत आए हैं और गए हैं लेकिन हिंदुस्तान है, था और हमेशा रहेगा।ष आखिरकार अमेठी की जनता ने स्मृति ईरानी को इस बार कांग्रेस उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा के हाथों 1 लाख 67 हजार 196 मतों के भारी अंतर से हरा कर अमेठी की जनता ने यह जवाब दे ही दिया कि इस संसदीय क्षेत्र में भी उनके जैसे बहुत आए और गए हैं लेकिन इस क्षेत्र में गाँधी परिवार का वर्चस्व कल भी था और भविष्य में भी रहेगा।

प्राकृतिक संसाधनों की लूट

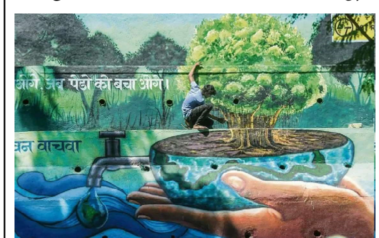

–देविंदर शर्मा–

अप्रैल के आखिरी सप्ताह में देहरादून में भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारी प्रशिक्षुओं के 2022 बैच के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण के संपादित अंश पढ़े, तो मुझे आलोक शुक्ला की याद आ गई। जो एक अथक योद्धा और छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के संयोजक थे। आलोक शुक्ला ने एक सफल सामुदायिक अभियान का नेतृत्व किया था, जिसके तहत हसदेव अरण्य के प्राचीन जंगलों में 445,000 एकड़ जैव विविधता से समृद्ध जंगलों को बचाया।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा था, 'जब जंगलों की अहमियत समझने की बात आती है तो मनुष्य जानबूझकर खुद को भूलने के रोगियों में शामिल कर लेता है– यह जंगल की आत्मा है जो पृथ्वी को चलाती है।'और उसी भावना से जिस भाव से उन्होंने उस दिन उत्तीर्ण होने वाले सभी अधिकारियों को बधाई दी, मुझे लगता है कि यह स्वीकार करना उचित होगा कि आलोक शुक्ला भी'समाज में प्रगति के प्रतीक हैं।'

अब इससे पहले कि आप मुझसे पूछें कि आलोक शुक्ला कौन हैं और उन्होंने जंगलों को बचाने के लिए क्या अभूतपूर्व योगदान दिया है, और वह भी ऐसे समय में जब उच्च आर्थिक विकास हासिल करने के लिए जंगलों की लूट को पूर्व–अपेक्षित क्षति माना जाता है, उन्हें 2024 के गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार से नवाजा गया है, जिसे 'ग्रीन नोबेल' भी कहा जाता है। वह इस वर्ष सम्मान पाने वाले छह महाद्वीपों के सात बहादुरों में से एक हैं। निडर और साहसी, सबसे शक्तिशाली आर्थिक ताकतों से लोहा लेने की उनकी अदम्य भावना ने छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्र में लगभग 4.5 लाख एकड़ के अमूल्य आदिम जंगलों में लाखों पेड़ों को बचाया है। हसदेव समुदाय ने न केवल उस विशाल जैविक संपदा की रक्षा के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ संघर्ष किया है, बल्कि यह सामुदायिक प्रयास मानवता के हित में प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण में भी मदद करेगा।

यदि मैं पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता के अर्थशास्त्र (टीईईबी) दृष्टिकोण को लागू करने वाले वास्तविक लेखांकन मानदंडों का उपयोग करके आर्थिक मूल्य का पता लगाने का प्रयास करूं, तो इसकी कीमत कई ट्रिलियन भारतीय रुपये होगी।

जब मैंने इससे पहले कहा कि आलोक शुक्ला बेहद शक्तिशाली आर्थिक ताकतों के विरुद्ध सक्रिय रहे (और अभी भी हैं) तो यह संदर्भ हसदेव अरण्य के जंगलों में अलॉट की गयी 21 नियोजित कोयला खदानों के संबंध में था। आदिवासी समुदायों की ओर से एक लंबी और सतत मुहिम के बाद, उन्होंने साल 2012 में जो हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति गठित की, उसने प्रतिरोध को इस तरह से संगठित किया कि वह प्रभावी बन गयी, और आखिरकार सर्वाधिक शक्तिशाली कॉर्पोरेशन में से कुछ को मिले 21 नियोजित कोयला खानों के परमिट रद्द करने के लिए सरकार को मजबूर करने में सफल रही। इस प्रक्रिया में, स्थानीय समुदायों द्वारा सतत संघर्ष, जिसमें अनगिनत धरने, गढ़वाल के पहाड़ों में विख्यात चिपको आंदोलन की तरह पेड़ों को लिपटना और राज्य की राजधानी रायपुर की ओर 166 किलोमीटर कूच, शामिल है। यदि किसी को इस संघर्ष, जारी रहे आंदोलनों और समुदायों के उत्पीड़न की कार्रवाई का एक दस्तावेज तैयार करना हो तो यह नेटफ्लिक्स, प्राइम और अन्य ओटीटी प्लेटफार्मों के लिए एक आकर्षक डॉक्युमेंटरी सीरीज होगी। यह निश्चित तौर पर हाथी की फुसफुसाहट नहीं थी बल्कि ये अति आधुनिक आरा मशीनें थी जिनका आदिवासियों को सामना करना था।

गोल्डमैन पर्यावरणीय पुरस्कार भी ऐसे समय पर आया है जब चिपको आंदोलन अपनी 50वीं वर्षगांठ बना रहा है। डाउन टू अर्थ पत्रिका के 16–30 अप्रैल, 2024 अंक में वर्णित है कि चिपको आंदोलन ने देशव्यापी पर्यावरण चिंताओं को प्रेरित किया था और नीति निर्माण पर प्रभाव डाला था। उस परिवर्तन का नेतृत्व करने वाले चंडी प्रसाद भट्ट याद करते हैं, 'जब ठेकेदार और मजदूर साल 1973 में मार्च माह की एक सुबह रैणी गांव के जंगल को काटने के लिए पहुंचे, तो गांव में कोई आदमी नहीं था। चंडी प्रसाद आगे बताते हैं कि 'गौरा देवी, जो उस समय महिला मंडल की मुखिया थीं, अन्य महिलाओं को जंगलों में ले गयी और पेड़ों से लिपट गयी।'

राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय के लिए जमीन नहीं खोज पाए अधिकारी

संवाददाता–बलरामपुर। तहसील मुख्यालय उतरौला जनपद की सबसे पुरानी तहसील होने के बावजूद यहां राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नहीं खुल सका। उतरौला में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोलने के लिए वर्षों से विभाग जमीन की तलाश कर रहा है, लेकिन चिकित्सालय के लिए जमीन नहीं मिल सकी है। शासन ने आयुर्वेदिक दवाओं के प्रसार के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोलने का निर्णय लिया है। इसी को लेकर उतरौला तहसील के मुख्यालय पर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोलने की मंजूरी दी थी। उसके बाद विभागीय अधिकारियों ने चिकित्सालय के लिए जमीन की तलाश शुरू की लेकिन वर्षों बीत गए विभाग को जमीन नहीं मिल सकी और आज भी विभागीय अधिकारी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के लिए जमीन की तलाश कर रहे हैं। उतरौला बाजार में पुराने अस्पताल में कई भवन खाली पड़े हैं। वहां काफी जमीन खाली पड़ी होने के बावजूद विभागीय अधिकारी इस परिसर में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के लिए भवन व जमीन नहीं ले पा रहे हैं। विभाग को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के निर्माण न होने से शासन से मिले लाखों रुपए शासन को वापस किए जाने के कगार पर है। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय की स्थापना न होने से तमाम मरीज आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

अपनी लाज बचाने में कामयाब रहे भाजपा के दिग्गज

संवाददाता–बलरामपुर। भाजपा के धुरंधरों की अपने बूथ पर हार नहीं हुई। भाजपा का कोई कद्दावर नेता नहीं जो अपनी बूथ पर चुनाव हार गया हो। मामूली मतों से ही सही लेकिन सभी ने जीत दर्ज कराई है। भाजपा के कद्दावर नेता अपने बूथों पर चुनाव तो नहीं हारे, लेकिन उनकी चूक हार में बदल गई।

बात शुरू करते हैं तुलसीपुर विधानसभा क्षेत्र से। यहां के विधायक कैलाश नाथ शुक्ल अपने पैत्रिक निवास बनकटवा खुर्द पतझी में का बूथ जीतने में सफल रहे। यहां भाजपा किसी बूथ पर चूकी नहीं। तुलसीपुर के ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीण सिंह विक्की अपनी तीन बूथों पर चुनाव जीते एक पर हार गए। उनका दावा है कि उस बूथ पर मुस्लिम आबादी अधिक थी, जिस नाते चुनाव जीतना संभव नहीं था। उस बूथ पर अधिकांश वोट गठबंधन के पक्ष में चले गए। गैसड़ी विधानसभा उप चुनाव के प्रत्याशी शैलेश कुमार सिंह शैलू भी अपने मतदेय स्थल पर चुनाव जीते हैं। गैसड़ी नगर पंचायत में भी भाजपा जीत दर्ज कराई है। भाजपा स्थानीय नगर पालिका अध्यक्ष धीरू सिंह भी अपने क्षेत्र से चुनाव जीते हैं। सदर विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा लगभग 600 मतों चुनव जीती है। पिछली बार यह अंतर 29 हजार का था। भाजपा यहां भारी मतों से जीती थी। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंह गुड्डू के गांव खगईजोत से भाजपा जीती है। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह के गांव सुदर्शनजोत से भाजपा ने लगभग 300 मतों से जीत दर्ज की है। जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी के गांव में भी भाजपा मामूली मतों से जीती है। वयोवृद्ध तराई के मशहूर नेता डॉ हुकुम सिंह के बूथ पर मामूली मतों से जीती है।

लोगों का कहना है कि भाजपा के कद्दावर नेताओं ने केवल अपने बूथ पर ध्यान दिया। अन्य बूथों की नजरंदाजगी भाजपा को भारी पड़ गई। भाजपा के पन्ना प्रमुख धीमे पड़ गए। प्रत्याशी साकेत मिश्रा का दावा था कि यदि संगठन के लोग साथ दें तो वह चुनाव जीत जाएंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। दूसरी बात यह है कि भाजपा कार्यकर्ताओं की थानों पर नहीं चली। सारे थानेदार भाजपा कार्यकर्ताओं की अनदेखी करते रहे। भाजपा के हार का प्रमुख कारण यही रहा। प्रशासन में भी कार्यकर्ताओं की बात नहीं सुनी गई। अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं की अनदेखी की। वे लोगों की समस्याएं लेकर आलाधिकारियों के पास जाते रहे लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई।

घर में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

संवाददाता–बहराइच। मोतीपुर थाने के ग्राम पंचायत झाला में ज्वाला पुत्र बेलाश के घर में सुबह लगभग 10 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग पड़ोसी उनके भाइयों बनवारी,भगीरथ तथा संतोष पुत्रगण बेलाश के घरों में भी फैल गया। गांव वाले जुटकर आग फैलने से रोका। ग्रामीणों ने मोतीपुर पुलिस सहित अग्निशमन विभाग को सूचना दिया। थोड़ी देर में ही दमकल की गाड़ी और पुलिस मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। क्षेत्रीय लेखपाल और राजस्व निरीक्षक मौके पर पहुंच कर नुकसान का आकलन कर अहेतुक सहायता के लिए कार्यवाही कर रहे हैं।

आठ प्रत्याशी नहीं पार कर सके नोटा का भी आंकड़ा

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव में नोटा पर खूब वोट बरसे। नोटा को लोगों ने इतना वोट दिया कि चार प्रत्याशी ही नोटा का आंकड़ा पार कर सके। बाकी आठ प्रत्याशी नोटा से भी पीछे रह गए। यहां तक कि तीन प्रत्याशी तो हजार का भी आंकड़ा नहीं पार कर सके। भिनगा और श्रावस्ती विधानसभा क्षेत्र में नोटा भी लोगों को खूब भाया। दोनों विधान सभा क्षेत्रों में नोटा को आठ प्रत्याशियों को नोटा से कम वोट मिले। चार प्रमुख पार्टियों सपा, भाजपा, बरपा और पीस पार्टी को नोटा से अधिक वोट मिले। भिनगा विधानसभा क्षेत्र में नोटा पर गए। जहां 2837 वोट डाले गए जबकि श्रावस्ती विधानसभा क्षेत्र में नोटा को 2411 वोट मिले। इसमें निर्दल शांति देवी को 1950 मत मिले। वहीं निर्दल सुजीत कुमार को 2227 वोट मिले। जबकि एजेपी के युगल किशोर को 1373, सम्यक पार्टी के कृष्ण कुमार मौर्य को 1027 वोट मिले। वहीं निर्दलीय मालिकराम को 1095, निर्दलीय अनिल कुमार को 763 वोट मिले। इसी तरह से केएमएस पार्टी के हनुमान प्रसाद मिश्र को 778 वोट मिले और आरजेपी की कुमारी गीता गौतम को 655 वोट मिले। यह आठ प्रत्याशी नोटा पर डाले गए वोटों का आंकड़ा नहीं छू सके।

सुरक्षित सीट पर बसपा ने जनाधार तो खोया ही, जमानत भी जब्त हुई

संवाददाता–बहराइच। बसपा का चुनाव–दर–चुनाव जनाधार घटता ही जा रहा है। पहले विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों को करारी हार झेलनी पड़ी अब लोकसभा चुनाव में मंगलवार को आए परिणाम ने बसपा प्रत्याशी की जमानत जब्ती के साथ रही कसर भी पूरी कर दी है। जनादेश का यह संदेश न केवल बसपा के क्षत्रपों के लिए सबक है, बल्कि सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूला भी पूरी तरह से फ्लॉप साबित हो रहा है।

बहराइच लोकसभा सीट पर नजर डालें तो वर्ष 1991 में पहली बार बसपा ने उम्मीदवार उतारा था। इस चुनाव में बसपा प्रत्याशी को सिर्फ पांच फीसद वोट मिले थे। वह पांचवें नंबर रहे थे। 1996 के चुनाव में एमएस खान को बसपा ने प्रत्याशी बनाया था। उन्हें 17.4 फीसद वोट मिले थे। बसपा तीसरे नंबर रही थी। 1998 में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बसपा ने उतारा था। 2.62 लाख से अधिक वोट हासिल कर आरिफ मोहम्मद खान विजई हुए थे, लेकिन 1999 के चुनाव में उन्हें हार झेलनी पड़ी थी। 2004 के चुनाव में बसपा ने ब्राह्मण चेहरे के रूप में भगतराम मिश्र को चुनाव लड़ाया। इस चुनाव में वह दूसरे नंबर रहे। 2009 में आरक्षित श्रेणी में आने पर बसपा ने लालमणि प्रसाद को मैदान में उतारा था।

इस चुनाव में भले ही वह दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन बसपा को सिर्फ 9.71 फीसद वोट ही मिले थे। इसके बाद से लगातार बसपा की वोटरों पर पकड़ ढीली होने लगी। जिसका नतीजा रहा है कि 2014 के चुनाव में डॉ. विजय कुमार को सिर्फ 5.91 फीसद वोट मिले थे, वह तीसरे नंबर रहे। 2019 के चुनाव में बसपा व सपा का गठबंधन होने की वजह से यह सीट सपा के खाते में गई थी। पांच साल बाद बसपा ने डॉ. बिरजेश कुमार को मौका दिया। इस चुनाव में बसपा प्रत्याशी को सिर्फ 50448 वोट यानि 4.77 फीसद वोट मिले हैं, जो कि अब तक हुए चुनावों में बसपा के लड़े सबसे प्रत्याशियों में सबसे कम वोट हासिल किया है। यह आंकड़े बताते हैं कि अवध क्षेत्र में बसपा का कोर वोट तेजी से छिटक रहा है। जिसका सीधा लाभ समय के अनुसार सपा व भाजपा को हो रहा है।

शिलान्यास बोर्ड तो लगा, नहीं शुरू कराया गया सड़क निर्माण

संवाददाता–बलरामपुर। गड्ढा मुक्त अभियान को लेकर विभाग संजीदा नहीं दिखाई दे रहा है। जिससे अब तक कई ऐसी जर्जर सड़कें है जहां काम की शुरुआत तक नहीं कराई जा सकी। वहीं कई जगहों पर काम अधर में अटका हुआ है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत तीन में दो का शिलान्यास का बोर्ड भले ही लगा दिया गया हो, लेकिन सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं कराया गया।

सेमरी चौराहा से खैराहानिया तक लगभग छह किलोमीटर तक प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कराया जाना था लेकिन विभागीय अधिकारियों व ठेकेदारों की घोर लापरवाही के चलते सड़क का निर्माण अभी तक शुरू नहीं कराया जा सका। राजू, बाबूलाल, दिनेश कुमार, अजय, मुस्तफा, कमाल, नुरुल्लाह, बबलू सिंह व शुभम सिंह आदि ग्रामीणों ने बताया कि तराई क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क का निर्माण कराया जाना था। लेकिन विभागीय अधिकारी व ठेकेदारों ने केवल मिट्टी पटान कराकर कार्य अधूरा छोड़ रखा है। ऐसे में बरसात के समय इस मार्ग से निकलना खतरों से खाली नहीं रह गया है। विद्यालय जाने वाले बच्चे इस मार्ग पर मिट्टी में फंसकर आए दिन चोटिल होते रहते हैं। वहीं इस मार्ग के निर्माण के लिए इसका शिलान्यास बोर्ड भले ही लगा दिया गया लेकिन सड़क निर्माण अभी तक शुरू नहीं हो सका। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से सड़क निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है।

अस्पताल का छज्जा गिरा, नीचे खड़ी एक बाइक क्षतिग्रस्त

संवाददाता–गोण्डा। बाबू ईश्वर शरण अस्पताल का छज्जा अचानक बुधवार सुबह भरभराकर ढह गया। गनीमत रही कि छज्जा गिरने के दौरान उसके आसपास कोई मरीज व तीमारदार नहीं रहा, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यह बात दीगर रही कि छज्जे के नीचे खड़ी एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। छज्जा गिरने के बाद वहां भीड़ इकट्ठा हो गई, जिसे अस्पताल कर्मचारियों ने पहुंचकर तितर–बितर किया। स्वशासी मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध बाबू ईश्वर शरण की पुरानी बिल्डिंग के मेनगेट के पास का छज्जा बुधवार सुबह टूटकर नीचे गिर गया। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। छज्जे में लगा सीसीटीवी कैमरा भी टूटकर नीचे आ गया। गेट के पास मौजूद लोगों ने बताया कि यह घटना सुबह लगभग सात बजे की है, उस दौरान अस्पताल में मरीजों की भीड़ कम होती है। ओपीडी आठ बजे से शुरू होती है, इसलिए मरीजों व उनके तीमारदारों की भीड़ भी आठ बजे के बाद होती है। अगर यही घटना एक घंटे बाद होती तो कई लोगों को चोट लग सकती थी। लोग बताते हैं कि छज्जा गिरने की आवाज सुन वार्डों में भर्ती मरीजों के तीमारदार निकल कर बाहर आ गए। धीरे–धीरे भीड़ बढ़ती गई, जिसे बाद में हटाया गया। इस संबंध में मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा एम डब्ल्यू खान ने बताया कि छज्जा टूटकर गिरा है लेकिन किसी को भी किसी भी प्रकार की चोट नहीं आई है। छज्जे की मरम्मत कराई जाएगी।

दरोगा की प्रताड़ना से तंग होमगार्ड जवान ने खाया विषाक्त, हालत गंभीर

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के सिरसिया थाने में तैनात एक दरोगा पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए होमगार्ड के जवान ने बुधवार को विषाक्त पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे सीएचसी सिरसिया ले गए। जहां से उसे जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया है। सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम बभनी कुकुरभुकवा निवासी विश्वनाथ तिवारी होमगार्ड का जवान है। जो सिरसिया थाने में ही तैनात है। जिसने बुधवार को कोई विषाक्त पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे सीएचसी सिरसिया ले गए। जहां से उसे संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया गया है। जहां उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। होमगार्ड विश्वनाथ तिवारी का आरोप है कि सिरसिया थाने में तैनात उप निरीक्षक प्रशांत बाजपेई उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। थाना क्षेत्र में होने वाली चोरी आदि घटनाओं में पीड़ित की संलिप्तता बताते हुए न सिर्फ कई मुकदमों में जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं बल्कि फर्जी रूप से चरस के आरोप में जेल भेजने व गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई करने की चेतावनी दे रहे हैं। पीड़ित का आरोप है कि उसकी बेटियां बड़ी हो चुकी है। यदि उसे जेल हुई तो उनका विवाह कैसे कर सकेगा। इसी से आहत होकर उसने विषाक्त खाया है। वहीं इस बारे में उप निरीक्षक प्रशांत बाजपेई का कहना है कि वह काफी दिन बाद चुनाव करवाकर वापस थाने लौटे हैं। ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। होमगार्ड जवान मानसिक रूप से परेशान है इसलिए अनर्गल आरोप लगा रहा है। वहीं, इस बारे में सिरसिया थाना प्रभारी भानु प्रताप सिंह का कहना है कि मामले की जानकारी हुई है दरोगा जी न्यायालय बयान के लिए गए हैं। वापस लौटने पर पूछताछ की जाएगी।

बच्चों को हीट बेब से बचाएं –चिकित्सा अधीक्षक

संवाददाता–बहराइच। हीट वेब का असर बच्चों की सेहत पर पड़ता है। इम्यूनिटी कमजोर होने की वजह से बच्चे व्यस्क व्यक्तियों की तुलना में जल्दी बीमार पड़ते हैं। जून शुरू होते ही भीषण गर्मी ने भी अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। चिलचिलाती धूप और जानलेवा लू से बच्चों को बचाना पैरेंट्स के लिए कोई आसान काम नहीं है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा के अधीक्षक डॉ. आरएन वर्मा ने बताया कि शिशुओं की त्वचा कोमल होने के साथ बेहद संवेदनशील भी होती है। यही वजह है कि गर्मियों में उन्हें रैशेज,लालिमा,दाने जैसी दिक्कतें ज्यादा परेशान कर सकती हैं। इतना ही नहीं छोटे बच्चों को वयस्कों की तुलना में ओवर हीटिंग का खतरा भी ज्यादा बना रहता है। ऐसी हालत में बच्चों को नम और छाया वाले स्थान में रखें।

चुनाव में हार के बाद भी इंडिया गठबंधन को संजीवनी दे गए वीरेन्द्र

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा चुनाव में कड़े मुकाबले में मिली जीत से पंकज की जहां प्रतिष्ठा बरकरार रही, वहीं चुनाव हार कर भी वीरेन्द्र चौधरी इंडिया गठबंधन को संजीवनी दे गए। पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी को 1 लाख 35 हजार 39 वोट कम मिला। बीते चुनाव में सपा व बसपा गठबंधन के प्रत्याशी कुंवर अखिलेश सिंह को 3 लाख 85 हजार 925 वोट मिले थे। इस बार कांग्रेस व सपा के गठबंधन को पिछले सपा व बसपा के गठबंधन की तुलना में 1 लाख 69 934 वोट अधिक मिला है।

लोक सभा चुनाव 2019 में सपा बसपा गठबन्धन को 31.45 प्रतिशत मत मिला था। 2024 के लोक सभा चुनाव में कांग्रेस–सपा गठबन्धन को 45.99 प्रतिशत मत मिला है। यह पिछले लोक सभा के मुकाबले 14.54 प्रतिशत अधिक है। गठबन्धन प्रत्याशी विरेन्द्र चौधरी 1952 से लेकर अब तक लोक सभा चुनाव में दूसरी सबसे कम वोटों के अंतर से हारे हैं। लोक सभा चुनाव 1999 में कुल पड़े वैध मतों 677114 में सपा के कुंवर अखिलेश सिंह को 239826 मत 35. 42 प्रतिशत व भाजपा के पंकज चौधरी को 229182 मत 33.85 प्रतिशत था। इस जीत हार के बीच 10644 मत व 1.57 प्रतिशत का फासला था। उसके बाद 2024 लोक सभा के चुनाव में कुल पड़े 1208589 मतों में भाजपा के पंकज चौधरी को 591310 मत 48.92 प्रतिशत व गठबन्धन के विरेन्द्र चौधरी को 555859 मत 45. 42 प्रतिशत मिला और हार जीत का फासला 35451 मत 2.93 प्रतिशत रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दूसरे कार्यकाल में सांसद पंकज चौधरी का पूर्वांचल व पिछड़ा समाज में कद बढ़ाकर केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री बनाया। इसी वेटेज में पंकज चौधरी सातवीं बार सांसद बनने में सफल रहे। लेकिन लोक सभा चुनाव 2024 में उनको लोक सभा चुनाव 2019 की तुलना में 135039 मत कम मिले व जीत हार के अन्तर में दस गुना कमी देखी गई। लोक सभा चुनाव 2024 में पंकज चौधरी को कुल 591310 मत प्राप्त हुए। यह कुल पड़े मतों का 48.92 प्रतिशत है। वहीं लोक सभा चुनाव 2019 में पंकज चौधरी को कुल 726349 मत मिले थे जो कुल पड़े मतों का 59.19 प्रतिशत था। लोक सभा चुनाव 2019 में पंकज चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी पूर्व सांसद को 340424 मतों से मात दी थी जबकि 2024 लोक सभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी विरेन्द्र चौधरी को मात्र 35451 मतों से ही शिकस्त दे पाए।

मंदिर पर पताका लगाते समय युवक को लगा करंट, मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। पूजा पाठ के दौरान मंदिर पर पताका लगा रहा युवक करंट की चपेट में आ गया। तार से बांस छू जाने के बाद युवक को करंट लग गया। गंभीर अवस्था में परिजन उसे लेकर अस्पताल जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया। परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। कोतवाली भिनगा के चकपिहानी निवासी शेषराज पुत्र सुक्खई के घर में बुधवार को मंदिर पर पूजा पाठ कार्यक्रम आयोजित था। पूजा पाठ के दौरान शेषराज मंदिर पर पताका लगा रहा था। हरे बांस का पताका लगाते समय बांस ऊपर से निकल रही 11 हजार की लाइन के तार से छू गया। इससे बांस में करंट उतर आया और शेषराज उसी बांस से चिपक गया। लोगों ने किसी तरह से उसे बांस से छुड़ाया। लेकिन तब तक हालत गंभीर हो गई। घायल को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल परिजन ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

पुलिस चौकी के पास नेपाली शराब की खेप बरामद

संवाददाता–महराजगंज। थाना क्षेत्र के भारत–नेपाल सरहद से सटे शीतलापुर पुलिस चौकी के पास से एसएसबी और आबकारी की संयुक्त टीम ने मंगलवार रात में मुखबिर की सूचना पर नेपाली शराब की खेप बरामद कर ली। वहीं टीम ने मौके से एक बाइक और एक युवक को भी गिरफ्तार कर लिया। टीम बरामद नेपाली शराब की खेप को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जबकि घटना स्थल से सटे पुलिस चौकी के जिम्मेदार पुलिस कर्मियों को भनक भी नही लग सकी। आबकारी निरीक्षक वैभव कुमार यादव ने कहा की उन्हें मंगलवार रात को मुखबिर से सूचना मिली की एक युवक नेपाल से बाइक की मदद से नेपाली शराब की खेप लेकर भारत आने वाला है। सूचना के बाद उन्होंने सरहद पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों को सूचना देते हुए शीतलापुर पुलिस चौकी के पास पगडंडी सड़क पर घेराबंदी कर ली। इसी बीच नेपाल की ओर से बाइक पर बोरी में सामान लेकर आते एक युवक दिखाई दिया। उसे रोककर तलाशी ली तो बाइक पर लदी बोरे से 120 बोतल नेपाली शराब बरामद हुई। उसके बाद टीम ने युवक को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने अपना नाम धीरज उर्फ धीरू निवासी रेंगहिया बताया। उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

प्रकांड विद्वान पंडित सच्चिदानंद महाराज को संतों महंतों ने किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या के प्रकांड विद्वान रूपकला संस्कृत विद्यापीठ में ज्योतिष विभाग अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति श्री दिव्या कला कुंज मंदिर के बड़े पुजारी पंडित सच्चिदानंद त्रिपाठी महाराज का साकेत वास 89 वर्ष की उम्र में उनके आवास लवकुश नगर अयोध्या में 23 मई दिन गुरुवार को हो गया था और उनका कर्मकांड वैदिक विधि विधान से उनके बड़े पुत्र अंबिकानंद त्रिपाठी के द्वारा संपन्न किया गया और तेरहवीं संस्कार पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें संतों महंतों ने सच्चिदानंद महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए श्री दिव्या कला कुंजी के महंत परमार्थ कला महाराज ने बताया कि त्रिपाठी महाराज मंदिर में ठाकुर जी की सेवा के साथ विद्यार्थियों की भी सेवा बड़े ही लगन से करते थे पूरे जीवन भर उन्होंने सनातन धर्म के प्रचार प्रसार में लगा दिया और आज उनके पढ़ाई हुई हजारों की संख्या में ज्योतिषी और विद्वार्थी सनातन धर्म को आगे बढ़ा रहे हैं और महाराज जी के द्वितीय पुत्र पंडित आशुतोषानंद त्रिपाठी महाराज भी उनके पद चिन्हों पर चलते हुए उनकी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

पंडित आशुतोषानंद त्रिपाठी महाराज ने बताया कि पिताजी हमारे गुरु स्वरूप भी थे उनके बताए हुए रास्ते पर मैं आगे चलते हुए उनकी परंपरा का निर्वहन करने का प्रयास करूंगा उन्होंने यह भी बताया कि श्री महाराज जी अपना पूरा जीवन सनातन धर्म की सेवा गौ सेवा विद्यार्थी सेवा में लगा दिया और उनके हजारों की संख्या में शिष्य हैं जो नियम धर्म से सनातन धर्म का पालन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ज्योतिष गणना से पिताजी पहले ही बता दिए थे कि मेरी मृत्यु 25 मई के पहले हो जाएगी और उसके पहले नहीं होगी। उन्होंने बताया कि एक समय वह बीमार थे हम लोग बहुत परेशान थे तब उन्होंने यह कहा की चिंता मत करो अभी मेरा समय पूरा नहीं हुआ है लेकिन अमुक तिथि के बाद मैं नहीं रहूंगा शौक मत करना हमारी परंपरा को आगे बढ़ाना और परिवार को भी सुचारू रूप से आगे बढ़ते रहना इसी में हमारी खुशी होगी। श्रद्धांजलि सभा मे अयोध्या के दर्जनों संत महंत गृहस्थ हित बंधु परिवार के सथ–साथ देश के कोने–कोने से आए उनके शिष्य गणों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और श्री महाराज जी के प्रति अपना अनुराग प्रकट किया। में आए हुए सभी अतिथियों शिष्यों का आभार व्यक्त करता हूं और महाराज जी की तरह मेरी तरफ से उनकी सेवा निरंतर होती रहेगी।

उपेक्षा का शिकार है धार्मिक महत्व का गुमड़ी घाट

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर–गोंडा सीमा पर स्थित गुमड़ी जंगल के बीच कुआनो नदी गुमड़ी घाट के नाम से प्रख्यात है। इस घाट से लोगों की धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। गोण्डा व बलरामपुर जिले के सैकड़ों गांवों के लोग मूर्तियां विसर्जित करने यहां आते हैं। पहली बार वर्ष 1992 में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के समय अस्तित्व में आने के बाद से अब तक यह उपेक्षा की शिकार है।

उतरौला–गोंडा मुख्य मार्ग से गुमड़ी घाट जाने के लिए पक्की सड़क नहीं बन सकी। मार्ग पर खड़ी ढलान होने से लोग अपनी जान जोखिम में डालकर घाट तक पहुंचते हैं। बरसात के दिनों में स्थिति और भी ज्यादा विकराल हो जाती है। दो वर्ष पूर्व दशहरा के दिन विसर्जन के समय तेज बारिश होने के कारण मिट्टी की ढलान वाले मार्ग से प्रतिमा वाहनों के लिए घाट तक पहुंचना एक बड़ी चुनौती बन गई थी। शासन–प्रशासन की ओर से आज तक समस्या को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। दुर्गा पूजा आयोजकों का कहना है कि यदि इस घाट का सौंदर्यीकरण के साथ सड़क निर्माण कराकर उसके दोनों किनारों पर जालियां लगवा दी जाएं तो घाट पर आने–जाने के लिए लोगों को जोखिम नहीं उठाना पड़ेगा और घाट भी आकर्षक भी दिखने लगेगा। अब्दुर्रहीम सिद्दीकी ने कहा कि गुमड़ी घाट का सौंदर्यीकरण कर इसे न केवल धार्मिक बल्कि पर्यटन के रूप में भी महत्वपूर्ण बनाया जा सकता है। क्योंकि क्षेत्र के लोगों के लिए कोई ऐसा स्थान नहीं है, जहां पर वह अपने परिवार के साथ कुछ समय बिता सकें। इस लिहाज से यह घाट जंगल में होने के नाते महत्वपूर्ण है। यदि इसे विकसित कर दिया जाए तो यह आकर्षक पर्यटन स्थल बन सकता है।

प्रबुद्ध जनों के सुझाव से तैयार करेंगे सौ दिनों का प्लान -गोंड

संवाददाता–बहराइच। नव निर्वाचित सांसद डॉ. आनंद गोंड ने कहा कि जीत की राह आसान नहीं थी। केन्द्र व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों, सांसद पिता के कार्यों, संगठन व कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से जीत मिली है। यह बात उन्होंने अपने गोंडा रोड स्थित कैम्प कार्यालय में कही। कहा कि लोक सभा बहराइच में अभी रेलवे के क्षेत्र में काफी काम शुरू हुए हैं। छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का काम चल रहा है। यहां चार–चार रेलवे लाइनों पर कार्य शुरू हुआ है, इसे तेजी से पूरा कराना हमारी प्राथमिकता है। प्रस्तावित रेल परियोजना पर कार्य तेजी से शुरू हो। हाईवे के चौड़ी करण को टेंडर हो चुका है। उसपर भी कार्य शुरू हो, यह प्राथमिकता पर रहेगा। उन्होंने कहा कि वह अपनी जीत का श्रेय सम्मानित जनता जनार्दन व पार्टी की रीढ़ कार्यकर्ताओं को दे रहे हैं। उनके अभियान में सांसद पिता का अनुभव काम आया है। चुनाव अभियान में ऐसा कोई मौका नहीं आया, जो विचलित करे। रही बात सबक की, तो जो सबक सीखने को मिले हैं, उन्हें उजागर नहीं करेंगे। जरूरत पड़ी तो पार्टी फोरम पर रखने से पहले विचार करेंगे। सौ दिनों के प्लान को लेकर प्रबुद्ध लोगों से विचार विमर्श करेंगे। उपलब्धता हमेशा बनी रही है।

शिकायतों का लगा अंबार, तब जागे जिम्मेदार, 104 वाहनों पर कार्रवाई

संवाददाता–बहराइच। जिले भर में अवैध खनन थम नहीं रही है। दिन व रात हर समय धरती का सीना चीर कर बालू व मिट्टी खनन का करोबार धड़ल्ले से चल रहा है। इससे न केवल राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है बल्कि आए दिन हादसे हो रहे हैं। सड़की हालत बिगड़ रही है। अवैध खनन की लगातार मिल रही शिकायतों पर जिम्मेदार जागे हैं। अभियान चलाकर 104 वाहनों पर कार्रवाई संग जुर्माना वसूला गया है। जिले में अवैध खान पर अंकुश को लेकर डीएम सख्त हुई हैं। प्रभावी अंकुश लगाने को लेकर जिला खनन अधिकारी को निर्देश दिए हैं। इसके बाद अभियान चलाया गया है। जिसके तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में 90 वाहनों को सीज किया गया है। 14 का ऑनलाइन चालान किया गया। कुल 104 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। इसके अलावा 27.66 लाख का अर्थदण्ड वसूल किया गया। खनन अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि खैरीघाट में 16 वाहन, थाना मटेरा में 15 वाहन, थाना रामगांव में 13 वाहन, थाना हुजूरपुर में 08 वाहन, थाना नानपारा में 06 वाहन, थाना कैसरगंज व हरदी में 05–05 वाहन, थाना कोतवाली देहात, रिसिया, रानीपुर व नवाबगंज में 04–04, थाना फखरपुर व रुपईडीहा में 03–03 वाहनों के विरुद्ध अवैध खनन परिवहन में संलिप्त होने पर कार्यवाही की गई है।

गौरीबाजार में मकान का ताला तोड़ कर 10 लाख की चोरी

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार कस्बा से सटे उभांव में एक मकान का ताला तोड़ कर चोरों ने करीब पांच लाख रुपए के सोने का आभूषण व वाहन बेचने से मिली पांच लाख रुपये नकदी चुरा ले गए। पहचान से बचने के लिए चोर मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ कर लेते गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिवार से चोरी की घटना की जानकारी ली।

गौरीबाजार कस्बा से सटे उभांव के मुमताज एक मारपीट के मामले में जेल में हैं। पुलिस के डर से परिवार के लोग इधर उधर शरण लिए हैं। इसीबीच मंगलवार देर रात उनके मकान के गेट का ताला तोड़ चोर उनके घर में घुस गए। ग्राउंड फ्लोर व छत के कमरों में रखे बाक्स व आलमारी का ताला तोड़ दिए। बाक्स व आलमारी में रखे करीब पांच लाख रुपए के सोने के चार जोड़े झुमका, चार सोने की अंगूठी, दो सोने की चेन, चार पाजेब, आठ जोड़ी पायल व चार पहिया वाहन बेच कर बाक्स में रखा पांच लाख नकदी चुरा लिए। जेवर व नकदी कुल 10 लाख की चोरी से परिवार सदमे में है। पहचान से बचने के लिए चोरों ने सीसीटीवी कैमरे को तोड़ कर लेते गए। आसपास के लोगों की सूचना पर बुधवार सुबह मकान पर पहुंची मुमताज की पत्नी हसीना ने पुलिस को चोरी की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चोरी की घटना की जानकारी ली। हसीना पत्नी मुमताज ने अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है।

चित्तौड़गढ़ जलाशय को ईको टूरिज्म के रूप में करें विकसित

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय तहसील क्षेत्र स्थित जरवा सीमा क्षेत्र में आने वाले चित्तौड़गढ़ जलाशय में व्यवस्था बदहाल है। यहां ईको टूरिज्म की अपार संभावनाओं के बावजूद सरकारी तंत्र की लापरवाही के कारण आने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिलती। ग्रामीण अनिल यादव, नरेश पासवान आदि का कहना है कि जलाशय के चारों तरफ लगाए गए बिजली पोल पर तार दौड़ाकर जलाशय को टूरिज्म पैलेस के रूप में विकसित करने की मांग की है।

अयोध्यावासियों ने भाजपा की हार के बताए कारण दलित मतों के ध्रुवीकरण को भी ठहराया जिम्मेदार

संवाददाता-अयोध्या। फैजाबाद लोकसभा के चुनाव परिणाम पर अयोध्यावासियों ने भी प्रतिक्रिया दी है। लोगों का कहना है कि दलित मतों के ध्रुवीकरण के चलते भाजपा को नुकसान हुआ। इंडिया गठबंधन चुनावी समीकरण साधने में सफल साबित हुई। राममंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि इस बार जनता ने भाजपा से बेरुखी दिखाई। भाजपा प्रत्याशी गुणा-गणित करने में फेल हो गए। उन्होंने अपना सारा फोकस शहरी क्षेत्रों में ही रखा, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कम गए, जिसका नुकसान उन्हें उठाना पड़ा। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने ग्रामीण क्षेत्रों में फोकस किया। जातीय वोटों की गणित उन्होंने बखूबी सुलझाई। मथुरा न काशी, अबकी अवधेश पासी का नारा भी इनके समर्थकों ने निकाला था, जो चल गया। आचार्य सत्येंद्र दास ने जब राममंदिर फैक्टर के काम न करने का सवाल किया गया तो बोले कि इस पर कुछ नहीं कहना। विहिप के प्रांतीय प्रवक्ता शरद शर्मा का कहना है कि कहीं न कहीं अतिविश्वास ने भाजपा को चकमा दिया। साथ ही इस बार अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में कम मतदान भी हार का कारण बना। दलित वोटों के ध्रुवीकरण का लाभ इंडिया गठबंधन को मिला, जिसने उनकी जीत का मार्ग प्रशस्त किया है। बाकी चुनावी अखाड़े में दांवपेच में भाजपा पर इंडिया गठबंधन भारी पड़ी, इसलिए उसे जीत मिली।

साकेत महाविद्यालय के शिक्षक जन्मेजय तिवारी ने कहा कि लल्लू सिंह की हार से अयोध्या के विकास और सपनों पर कहीं न कहीं विराम लगेगा। जनता बदलाव चाहती थी इसलिए भाजपा की हार हुई है। अवधेश प्रसाद को बदलाव की हवा का लाभ मिला, साथ ही जातीय समीकरण अपने पक्ष में करने में भी कामयाब रहे। व्यापारी पंकज गुप्ता ने कहा कि बूथ मैनेजमेंट पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी भाजपा से आगे निकल गए। अयोध्या में कम मतदान भी हार का कारण बना। मतदाता पर्ची का वोटरों तक न पहुंचना और बहुत सारे वोट कटने से भी भाजपा को नुकसान हुआ। इंडिया गठबंधन का बूथ मैनेजमेंट ठीक रहा। दलित, मुस्लिम व यादव मतों के ध्रुवीकरण का लाभ अवधेश प्रसाद को मिला।

घर में घुसकर युवती से छेड़खानी, विरोध करने पर छत से नीचे धकेला

संवाददाता-गोरखपुर। गोरखपुर में एक युवती के घर में घुसकर मनबढ़ों ने छेड़खानी की। विरोध करने पर उसे छत से नीचे धकेल दिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवती घीगा इलाके में किराए का कमरा लेकर रहती है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया है।सीओ गीडा अनुराग सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दरअसल, सिकरीगंज इलाके की एक महिला गीडा इलाके में किराए का कमरा लेकर अपने परिवार संग साथ रहती है। महिला का आरोप है कि बगल में किराए का कमरा लेकर रहने वाले कुछ युवक 14 मई की रात करीब 8 बजे घर में घुस गए और मेरी बेटी से छेड़खानी करने लगे। बेटी भागकर छत पर पहुंची तो आरोपी वहां भी पहुंच कर छेड़छाड़ करने लगे। विरोध करने पर आरोपी बेटी को छत से नीचे धकेल कर भाग गए। इस दौरान बेटी को चोटें भी आईं। पीड़िता की मां का आरोप है कि शिकायत करने पर एक आरोपी की बहन ने गाली देते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद महिला ने इसकी शिकायत पुलिस से की। फिलहाल पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

भाजपा-सपा प्रत्याशी को छोड़ सभी की जमानत जब्त

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज संसदीय सीट पर हुए चुनाव में इस बार छह प्रत्याशी मैदान में थे। 25 मई को हुए चुनाव में 10.19 लाख मत पड़े थे। इसमें प्रत्याशियों को जमानत बचाने के लिए कुल पड़े मतों का छठवां भाग लाना जरूरी था। चार जून को घोषित चुनाव परिणाम में भाजपा प्रत्याशी जगदंबिका पाल, सपा प्रत्याशी भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी को छोड़कर सभी प्रत्याशी जमानत बचाने में असफल रहे। चुनाव लड़ने के लिए सभी प्रत्याशियों को नामांकन दाखिल करने के साथ ही निश्चित राशि रिटर्निंग ऑफिसर के पास जमानत राशि जमा कराई गई थी। चुनाव आयोग की गाइड लाइन के मुताबिक जो प्रत्याशी कुल विधिमान्य मतों के छठें भाग से कम मत प्राप्त करता है तो उसकी जमानत राशि जब्त कर ली जाती है। जिले की एक मात्र संसदीय क्षेत्र डुमरियागंज क्षेत्र में 51.97 फीसदी यानी 10.19 लाख वोट पड़े थे तो जमानत बचाने के लिए प्रत्याशी को छठें भाग से ज्यादा यानी 1.69 लाख वोट मिलने चाहिए थे। इससे कम मत पाने में जमानत जब्त हो गई। जमानत बचाने में भाजपा प्रत्याशी जगदंबिका पाल, सपा गठबंधन के प्रत्याशी भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी ही सफल रहे जबकि बसपा प्रत्याशी मो. नदीम मिर्जा, आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी चौधरी अमर सिंह, पीस पार्टी के नौशाद अहमद, निर्दल किरन की जमानत नहीं बच सका। डुमरियागंज सीट पर 2024 के चुनाव में कुल छह प्रत्याशी मैदान में है। भाजपा से पुनः जगदंबिका पाल, सपा-कांग्रेस गठबंधन से भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी, बसपा से मो.नदीम मिर्जा, आजाद समाज पार्टी से चौधरी अमर सिंह, पीस पार्टी से नौशाद, निर्दल किरन देवी है।

पुरानी रंजिश में दो को मनबढ़ों ने मार कर किया घायल

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के हकीमपुर निवासी दो युवकों को आधा दर्जन लोगों ने पहले घर में घुसकर मारा पीटा। फिर उपचार कराने जाते समय रास्ते में वाहन रोककर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। लोगों ने घायलों को सीएचसी हैंसर पहुंचाया। वहां गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

थाने पर दी गई तहरीर में राजेश पुत्र सोमई निवासी हकीमपुर ने लिखा है कि वे रात 10:30 बजे घर में खाना खा रहे थे। इसी समय करन यादव निवासी ठठरा, विशाल निवासी ठठरा, दिलीप, सूरज निवासी रामपुर, जसवंत निवासी अशरफपुर आदि लोग उनके घर में लाठी-डंडा फावड़ा लेकर घुस गए। मारपीट करने लगे जिससे उनके सिर पर काफी चोटें आईं। एंबुलेंस के सहारे वह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैंसर बाजार दवा करवाने जा रहे थे। उनके साथ सुनील भी मौजूद थे। रास्ते में उनको भी रोक कर लाठी डंडे से और लोहे की राड से मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिससे उनका भी सर फट गया। जान बचाकर किसी तरह से वह भागे लेकिन दबंगों ने उनका पीछा कर उन्हें गंभीर रूप से मार कर घायल कर दिया। शोर होने पर आसपास के लोगों ने मारने-पीटने से बचाया। दोनों घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी हैंसर पहुंचाया। जहां गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

एम-वाई फैक्टर के साथ दलितों के साथ ने की जीत की राह आसान

संवाददाता-संतकबीरनगर। लोकसभा सीट सपा प्रत्याशी की जीत की राह आसान करने में एम-वाई फैक्टर व दलितों के साथ ने बड़ी भूमिका निभाई। बसपा की तरफ से कमजोर प्रत्याशी उतारने से सभी मुस्लिम मतदाताओं ने एकजुट होकर मतदान किया। वहीं बसपा को वोट करने वाले दलितों ने भी संविधान बचाने के नाम पर सपा को वोट कर दिया। साथ में निषाद मतों को जमकर अपने पाले में कर लिया।

यादव और मुसलमानों को समाजवादी पार्टी का कोर वोटर माना जाता है। इन दो बिरादरी के वोटरों के साथ सपा ने निषाद प्रत्याशी उतार मतों में सेंध लगाने का पूरा इंतजाम कर दिया। निषाद मतों पर अपना एकाधिकार जताने वाले निषाद पार्टी को निषादों ने तवज्जो नहीं दी। निषाद बिरादरी के वोटरों ने भी लक्ष्मीकांत निषाद सहेज ले गए। निषाद बिरादरी में स्थानीय के साथ-साथ बाहरी का मुद्दा पूरी तरह से छाया रहा। यही कारण है कि आम वोटरों में भी स्थानीय नेता के प्रति सहानुभूति दिखी। लोगों को यह विश्वास हो गया था कि इस बार भी जीतने के बाद किसी काम के लिए प्रवीन कुमार निषाद को खोजना पड़ेगा। वहीं भाजपा प्रत्याशी से भाजपा समर्थित वोटरों की नाराजगी ने भी जीत में मदद की।

लोक सभा क्षेत्र के प्रभारी व आलापुर के विधायक त्रिभुवन दत्त ने चुनाव में अहम भूमिका निभाई। चुनाव के पहले से ही संगठन के साथ बैठकें कर सभी को बांधे रखा। अपने विधान सभा क्षेत्र से भी जीत दिलाई। अंतिम समय तक कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर सहेजे रखा। कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। यही कार्य संगठनात्मक पार्टी मानी जाती वाली भाजपा नहीं कर पाई।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के मटौली गांव में संदिग्ध परिस्थिति में एक महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच कर रही है। स्थानीय थाना क्षेत्र के मटौली गांव निवासी पिंटू (45) पत्नी पंकज परिवार जनों को भोजन कराकर आराम कर रही थी। कुछ देर के बाद पेट दर्द से उनकी तबियत खराब हो गई। परिजन महिला को लेकर सीएचसी हैंसर पहुंचे। जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना को लेकर गांव वालों में तरह-तरह की चर्चाओं का माहौल है। लोगों का कहना है कि अक्सर पति-पत्नी में विवाद होता रहता था। कहीं कोई मामला बढ़ तो नहीं गया। इधर परिजनों का कहना है कि इस तरह कि कोई बात नहीं थी। पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाजार आते-जाते युवती से छेड़खानी

संवाददाता-गोरखपुर। एम्स इलाके में रहने वाली युवती को आते-जाते शोहदा परेशान करता है। आरोप है कि आरोपी के घरवालों से उलाहना देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस आरोपी इब्राहिम और उसकी मां शबिबुन निशा पर केस दर्ज कर जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, कुसम्ही के पास रहने वाला एक परिवार शोहदे से परेशान है। भाई ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन जब भी बाहर जाती है शोहदा उसे परेशान करते हुए अभद्र टिप्पणी करता है। उसकी हरकतों से परेशान होकर युवती ने एक दिन घर आकर इसकी जानकारी दी। भाई शिकायत करने आरोपी के घर पहुंचा तो उसकी मां ने धमकी दी। पीड़िता के भाई ने एम्स थाने में इसकी जानकारी दी।

जन्मजात बीमारी है क्लब फुट, पैर हो जाते हैं टेढ़े

संवाददाता-गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विभाग में बुधवार को क्लब फुट दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया है। हड्डी रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. अमित मिश्रा ने बताया कि क्लब फुट जन्मजात बीमारी है। जिसमें जन्म से ही बच्चों के पैर अंदर की तरफ टेढ़े हो जाते हैं। इस बीमारी को सीटीईवी भी कहते हैं। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभाग में हर बुधवार को सीटीईवी क्लिनिक का आयोजन किया जाता है। जिसमें बच्चों को पैरों को सीधा करने के लिए प्लास्टर लगाए जाते हैं। जिन्हें करेक्टिव कास्ट भी कहते हैं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. पवन प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अशोक यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ नरेंद्र चौधरी मौजूद रहे। डॉ नरेंद्र चौधरी द्वारा सभी चिकित्सा-शिक्षकों, मरीजों के परिजनों व कर्मचारियों को पौधा वितरण भी किया गया। इस अवसर पर डॉ अमित मिश्रा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधा लगाना हम सभी का कर्तव्य है।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौत

संवाददाता-गोरखपुर। एम्स क्षेत्र के सोनबरसा बाजार में फोरलेन क्रासिंग पर बुधवार की दोपहर दो बजे ट्रक की टक्कर से एक साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद भागते समय जगदीशपुर चौकी पुलिस ने ट्रक समेत चालक को पकड़ लिया।

जानकारी के मुताबिक, एम्स इलाके के रामुडिहा निवासी आकाश (25) पुत्र रामा प्रसाद बुधवार की दोपहर में साइकिल से सोनबरसा बाजार फोरलेन क्रासिंग पार कर रहा था। गोरखपुर की तरफ जा रहे एक ट्रक ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दिया, जिसमे उसकी मौके पर मौत हो गई। आकाश अविवाहित था। मजदूरी करके जीविकोपार्जन चलाता था। परिवार का इकलौता पुत्र था। तीन बहनें हैं। मौत की सूचना पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

ई रिक्शा पलटने से बालक दबा, मौत

संवाददाता-गोरखपुर। गुलरिहा इलाके में ई रिक्शा पलटने से बालक दब गया, जिससे मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, मोगलपुर गांव निवासी रामभवन का दस साल का बेटा अरुण प्रजापति मंगलस्थान से ई रिक्शे में बैठा था। रास्ते में ई-रिक्शा पलट जाने के कारण अरुण प्रजापति जख्मी हो गया। घरवाले उसे अस्पताल गए, जहां मौत हो गई।

आनलाइन शापिंग के दौरान 15 हजार की ठगी

संवाददाता-गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के देवकली गांव की एक युवती ने ऑनलाइन शॉपिंग में रिफंड पाने की लालच में 15 हजार रुपये गंवा दिए। देवकली निवासी प्रीति ने तहरीर में लिखा है कि ऑनलाइन शापिंग एप से 305 रुपया का सामान आर्डर किया था। जिसका पेमेंट फोन पे से किया था। सर्वर की समस्या की वजह से दो बार पेमेंट हो गया तो शापिंग एप के शिकायती नंबर पर कॉल कर रुपया रिफंड करने के लिए कहा तो उधर से दो अलग-अलग नंबरों से फोन आया।

पूरे मामले की जानकारी ली गई। उसके बाद रुपया रिफंड करने के लिए मुझसे यूपी आईडी डालने को बोला। जिसे डालने के बाद मेरे खाते से 15499 रुपया कट गया। उसके बाद फोन करने वाला नंबर भी बंद हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

संवाददाता-गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के गाहासाड़ के पास बुधवार को ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस शिनाख्त का प्रयास कर रही है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह गोरखपुर से एक ट्रेन लखनऊ की तरफ जा रही थी। गीडा थाना क्षेत्र के गाहासाड़ के आगे राप्ती नदी पर बने पुल से पहले ही युवक ट्रेन से नीचे गिर गया। कुछ देर बाद उधर गए लोगों ने युवक को देख पुलिस को सूचना दी। मृतक के शरीर पर नीले रंग का पैंट, धारीदार रंग का शर्ट मौजूद था। चौकी प्रभारी पिपराइच रुपेश पाल सिंह ने कहा कि ट्रेन से गिर कर युवक की मौत हुई है। मृतक की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अपील सं0 C 202317000000950 धारा 210 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत- श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला-बस्ती

जन्नतुन्निशा

बनाम

सेरातुननिशा (मृतक)जरिये वारिस अफशरी बेगम आदि

मौजा कुईकोल तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/1 अफशरी बेगम पत्नी मोहम्मद शरीफ निवासी मगहर खास मो0 शेरपुर तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/2 कैसरी बेगम पत्नी रिजवानुल्लाह निवासी ग्राम भैसामाफी तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरब तहसील मेंहदावल जिला-संतकबीरनगर हाल मुकाम मौजा मगहर खास मो0 चूड़ी फरोस, तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

2. राम उजागिर पुत्र राजमन 3. गोरख प्रसाद पुत्र राजमन निवासीगण ग्राम कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण प्रथम वर्ग

4. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 5. अध्यक्ष नगर पंचायत मगहर खास तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 14-06-2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 06 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 03 माह 06 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरा नाम पियूष गाडिया (PIUSH GADIA) पुत्र स्वर्गीय श्री विश्वम्भर गाडिया है और नई बाजार पुरानी बस्ती जनपद बस्ती का निवासी हूं। मेरे पंजाब नेशनल बैंक के खाते में मेरा नाम त्रुटिवश पी.के.अग्रवाल(P.k. AGRAWAL) हो गया है जो गलत है। मुझे पियूष गाडिया (PIUSH GADIA) के नाम से ही जाना व पहचाना जाय।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अपील सं0 C 202317000000948 धारा 210 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत- श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला-बस्ती

जन्नतुन्निशा

बनाम

सेरातुननिशा (मृतक)जरिये वारिस अफशरी बेगम आदि

मौजा कुईकोल तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/1 अफशरी बेगम पत्नी मोहम्मद शरीफ निवासी मगहर खास मो0 शेरपुर तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/2 कैसरी बेगम पत्नी रिजवानुल्लाह निवासी ग्राम भैसामाफी तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरब तहसील मेंहदावल जिला-संतकबीरनगर हाल मुकाम मौजा मगहर खास मो0 चूड़ी फरोस, तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

2. राम उजागिर पुत्र राजमन 3. गोरख प्रसाद पुत्र राजमन निवासीगण ग्राम कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण प्रथम वर्ग

4. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 5. अध्यक्ष नगर पंचायत मगहर खास तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 14-06-2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 06 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 03 माह 06 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अपील सं0 C 202317000000946 धारा 210 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत- श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला-बस्ती

जन्नतुन्निशा

बनाम

सेरातुननिशा (मृतक)जरिये वारिस अफशरी बेगम आदि

मौजा कुईकोल तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/1 अफशरी बेगम पत्नी मोहम्मद शरीफ निवासी मगहर खास मो0 शेरपुर तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/2 कैसरी बेगम पत्नी रिजवानुल्लाह निवासी ग्राम भैसामाफी तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरब तहसील मेंहदावल जिला-संतकबीरनगर हाल मुकाम मौजा मगहर खास मो0 चूड़ी फरोस, तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

2. राम उजागिर पुत्र राजमन 3. गोरख प्रसाद पुत्र राजमन निवासीगण ग्राम कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण प्रथम वर्ग

4. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 5. अध्यक्ष नगर पंचायत मगहर खास तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 14-06-2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 06 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 03 माह 06 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अपील सं0 C 202317000000949 धारा 210 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत- श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला-बस्ती

जन्नतुन्निशा

बनाम

सेरातुननिशा (मृतक)जरिये वारिस अफशरी बेगम आदि

मौजा मगहर खास तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/1 अफशरी बेगम पत्नी मोहम्मद शरीफ निवासी मगहर खास मो0 शेरपुर तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/2 कैसरी बेगम पत्नी रिजवानुल्लाह निवासी ग्राम भैसामाफी तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरब तहसील मेंहदावल जिला-संतकबीरनगर हाल मुकाम मौजा मगहर खास मो0 चूड़ी फरोस, तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

2. राम उजागिर पुत्र राजमन 3. गोरख प्रसाद पुत्र राजमन निवासीगण ग्राम कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण प्रथम वर्ग

4. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 5. अध्यक्ष नगर पंचायत मगहर खास तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 14-06-2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 06 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 03 माह 06 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

वाद सं0 C 202317000000947 धारा 210 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत- श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला-बस्ती

जन्नतुन्निशा

बनाम

सेरातुननिशा (मृतक)जरिये वारिस अफशरी बेगम आदि

मौजा मगहर खास तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/1 अफशरी बेगम पत्नी मोहम्मद शरीफ निवासी मगहर खास मो0 शेरपुर तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

1/2 कैसरी बेगम पत्नी रिजवानुल्लाह निवासी ग्राम भैसामाफी तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरब तहसील मेंहदावल जिला-संतकबीरनगर हाल मुकाम मौजा मगहर खास मो0 चूड़ी फरोस, तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

2. राम उजागिर पुत्र राजमन 3. गोरख प्रसाद पुत्र राजमन निवासीगण ग्राम कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण प्रथम वर्ग

4. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत कुईकोला तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 5. अध्यक्ष नगर पंचायत मगहर खास तप्पा कस्बा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

-उत्तरवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 14-06-2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 06 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 03 माह 06 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

फंदे से झूलता मिला ई-रिक्शा चालक का शव

संवाददाता-संतकबीरनगर। महुली थाना क्षेत्र के भगवानपुर पूर्वी में बुधवार को पत्नी से विवाद के बाद कमरे के छत की कुंडी से रस्सी के फंदे से लटका ई-रिक्शा चालक का शव मिलने से हड़कम्प मच गया। परिजन द्वारा शव नीचे उतारने के बाद पुलिस पहुंच गई। पंचनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम कराने की तैयारी में जुट गई है। उसकी जेब से पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद किया है। बाएं हाथ और हथेली में मौत का कारण पत्नी का व्यवहार सही न होने की बात लिखी थी। क्षेत्र के भगवानपुर पूर्वी निवासी हरिराम गुप्ता का तीसरे नम्बर का बेटा मनी चन्द्र गुप्ता (30) दम्पत्य जीवन गुजर-बसर करने के लिए ई-रिक्शा चलाता था। परिजनों के अनुसार बुधवार सुबह पुराने घर पर हमेशा की तरह मनी चन्द्र और उसकी पत्नी द्रौपदी में झगड़ा होने लगा। कुछ समय तक चले विवाद के बाद मनीचन्द्र थोड़ी दूर स्थित दूसरे घर पर पहुंच गया। सीढ़ियों से छत के कमरे में चला गया। कुछ समय अंतराल में परिवार का कोई सदस्य कमरे में पहुंचा। छत पर लगे पंखे कुंडी से बंधी रस्सी से मनीचन्द्र का शव झूलता देख सन्न रह गया। वह शोर मचाने लगा। अन्य परिजन पहुंचे तो चीख पुकार सुनकर पड़ोसी दौड़ पड़े। परिजनों ने पुलिस के पहुंचने से पहले ही शव को नीचे उतार दिया था। पंचनामा भरकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मनीचन्द्र की जेब से पुलिस ने सुसाइड नोट और बाएं हाथ और हथेली पर कलम से मौत की वजह पत्नी द्वारा झगड़ालू प्रवृत्ति की होने की बात लिखी है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक-दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक-प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्मुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406, ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com